



RBI ने सीमा पार लेनदेन के लिये FEMA नियमों को उदार बनाया

[स्रोत: बज़िनेस स्टैंडर्ड](#)

चर्चा में क्यों?

[भारतीय रज़िर्व बैंक \(RBI\)](#) ने सीमा पार लेनदेन में [भारतीय रुपए \(INR\)](#) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये [वदिशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम \(FEMA\) 1999](#) के तहत मानदंडों को उदार बनाया है।

- इस पहल का उद्देश्य [भारतीय रुपए को स्थिर करना](#) तथा इसके [अंतरराष्ट्रीयकरण](#) को प्रोत्साहित करना है, विशेषकर ऐसे समय में जब मुद्रा मूल्यह्रास दबावों का सामना कर रही है।

RBI द्वारा FEMA वनियमों में क्या परिवर्तन किये गए हैं?

- [अनवासियों के लिये INR खाते खोलना](#): [अधिकृत डीलर बैंकों](#) की वदिशी शाखाएँ अब अनवासियों के लिये INR खाते खोल सकती हैं। यह अनवासियों को भारत के नवासियों के साथ सभी अनुमेय चालू और पूंजी खाता लेनदेन को भारतीय रुपए में नपिटाने की अनुमति देता है।
- [प्रत्यावर्तनीय INR खाते](#): RBI ने अनवासियों को अपने प्रत्यावर्तनीय INR खातों, जैसे [वशिष अनवासी रुपया खाते \(SNRR\)](#) और [वशिष रुपया वोस्ट्रो खाते \(SRVA\)](#) में शेष राशिका उपयोग करके अन्य [अनवासियों के साथ लेनदेन का नपिटान करने में सक्षम](#) बनाया है।
- [वदिशी नविश](#): [अनवासी भारतीय \(NRI\)](#) अब अपने INR खाते में शेष राशिका उपयोग [गैर-ऋण साधनों में प्रत्यक्ष वदिशी नविश \(FDI\)](#) सहित वदिशी नविश करने के लिये कर सकते हैं। इससे वैश्विक नविश प्रवाह में INR की भूमिका मज़बूत होती है।
- [नरियातकों के लिये वदिशी मुद्रा खाते](#): भारतीय नरियातक अब व्यापार लेनदेन नपिटाने के लिये वदिश में किसी भी वदिशी मुद्रा में खाते खोल सकते हैं। इसमें नरियात आय प्राप्त करना और आयात के भुगतान के लिये उस धन का उपयोग करना शामिल है।

NRI खाते

- [NRI खाता](#): NRI (अनवासी बाह्य) खाता NRI द्वारा अपने नवास देश से आय के आधार पर खोला जा सकता है, लेकिन धनराशि भारतीय रुपए में रखी जाती है।
 - NRI खाते से प्राप्त आय कर-मुक्त है, तथा मूलधन एवं ब्याज दोनों ही कर-मुक्त हैं।
- [NRO खाता](#): NRO (अनवासी साधारण) खाता NRI द्वारा भारत में अर्जति आय (जैसे, करिये की आय, व्यावसायिक आय, लाभांश, आदी) का प्रबंधन करने के लिये खोला जाता है, तथा इसे भारतीय रुपए में रखा जाता है। NRO खाते पर अर्जति ब्याज कर योग्य है।
- [FCNR \(B\) खाता](#): FCNR (वदिशी मुद्रा अनवासी) खाता NRI या भारतीय मूल के व्यक्तियों (POI) को RBI द्वारा नरिधारित किसी भी वदिशी मुद्रा में अपने नवास के देश में आय जमा करने की अनुमति प्रदान करता है।
 - FCNR खाते से प्राप्त आय कर-मुक्त होती है, जिसमें मूलधन और ब्याज दोनों शामिल हैं।

वदिशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999

- [परचिय](#): वर्ष 1973 के [वदिशी मुद्रा वनियमन अधिनियम \(FERA\)](#) को वर्ष 1999 में FEMA द्वारा प्रतस्थापित कर दिया गया।
 - इसका प्राथमिक उद्देश्य देश के उदारीकरण के बाद के आर्थिक परिवर्तनों के अनुरूप भारत के [वदिशी मुद्रा बाज़ार के व्यवस्थित विकास](#) को सुनिश्चित करते हुए बाह्य व्यापार और भुगतान को बढ़ावा देना है।
 - FEMA वदिशी मुद्रा लेनदेन को [चालू खाता लेनदेन और पूंजी खाता लेनदेन](#) में वर्गीकृत करता है।
- [पूंजी खाता लेनदेन](#): यह उन लेनदेन को संदर्भित करता है जो भारत के नवासियों की भारत से बाहरकी [परसिंपत्तियों या देनदारियों में परिवर्तन करते हैं](#), या इसके विपरीत।
 - इस श्रेणी के अंतर्गत जाने वाले [प्रमुख लेन-देन में वदिशी प्रतभितियों](#) का अंतरण अथवा नरिगमन, नवासियों और अनवासियों के बीच [वदिशी मुद्रा अथवा रुपए में उधार लेना या देना, मुद्रा नोटों का नरियात/आयात](#) एवं भारत अथवा वदिश में अचल संपत्तिका अधग्रहण या अंतरण शामिल हैं।
- [चालू खाता लेनदेन](#): इसमें वे लेनदेन शामिल हैं जो पूंजी खाता लेनदेन से संबंधित नहीं हैं। इसमें वदिशी व्यापार, सेवाओं और नविश से होने वाली आय के

लघि भुगतान और साथ ही वपिरेषण और वदिशी सहायता जैसे अंतरण शामिल हैं।

मुख्य उद्देश्य और प्रावधान:

- सविलि अपराध: FEMA के अंतर्गत कया गया उल्लंघन सविलि अपराध माना जाता है, जबकि FEMA की प्रकृत आपराधिक थी।
- RBI की भूमिका: RBI के पास नयिम जारी करने और FEMA के कार्यानवयन की देखरेख करने का अधिकार है।

रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण

- परचिय: इस प्रक्रया में सीमा पार लेन-देन में स्थानीय मुद्रा के उपयोग को बढ़ावा देना शामिल है। इसमें आयात और नरियात व्यापार के लघि रुपए को बढ़ावा देना और अनय चालू खाता लेन-देन के साथ-साथ पूंजी खाता लेन-देन में इसके उपयोग को प्रोत्साहति करना शामिल है।
 - जुलाई 2022 में, भारत ने व्यापार में INR के उपयोग को बढ़ावा देने के लघि स्पेशल रुपी वोस्ट्रो अकाउंट (SRVA) पेश कया।
 - इसके अतरिक्रित, RBI ने स्थानीय मुद्राओं में सीमा पार लेनदेन को प्रोत्साहति करने के लघि संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशया और मालदीव के केंद्रीय बैंकों के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर कयि।
 - दसिंबर 2023 में, वदिशी मुद्रा प्रबंधन वनियमों को संशोधति कया गया जसिका उद्देश्य भारतीय रुपए सहति सभी वदिशी मुद्राओं में सीमा पार लेनदेन की अनुमति प्रदान करना था।

रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण

अर्थ

- सीमा पार हस्तांतरण में भारतीय रुपए के उपयोग में वृद्धि करना

इसमें शामिल है

- आयात और नरियात के लघि रुपए का उपयोग
- चालू और पूंजी खाता हस्तांतरण के लघि रुपए का उपयोग

भारतीय रुपया चालू खाते में पूरी तरह से लेकिन पूंजी खाते में आंशिक रूप से परिवर्तनीय है।

आवश्यकता

- अमेरिका द्वारा अमेरिकी डॉलर का हथियारीकरण (प्रतिबंधों के लघि)
- डी-डॉलरइजेशन की लहर
- चीनी मुद्रा रेंमिन्बी का बढ़ता अंतर्राष्ट्रीयकरण
- वैश्विक वदिशी मुद्रा बाजार कारोबार में भारत की न्यूनतम हिस्सेदारी (1.7%)

RBI के प्रयास

- सीमा-पार व्यापार में भारतीय मुद्रा - वदिश व्यापार नीति 2023 में प्रमुख घटक
- 18 देशों के साथ रुपए में व्यापार समझौते हेतु तंत्र प्रस्तुत कया गया
 - » इन देशों के बैंकों को विशेष वोस्ट्रो रुपया खाते (SVRAs) खोलने की अनुमति दी गई
- "भारतीय रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौता" पर परिपत्र (2022)
- भारतीय रुपए में बाह्य वारिणज्यिक उधार को सक्षम बनाया गया

महत्त्व

- अमेरिकी डॉलर पर कम निर्भरता
- वदिशी मुद्रा भंडार रखने की कम आवश्यकता
- भारतीय व्यापार की बेहतर सौदा निपटान शक्ति
- मुद्रा की अस्थिरता का कम जोखिम

चुनौतियाँ

- रुपया का पूरी तरह से परिवर्तनीय न होना
- अन्य देशों को भारतीय रुपया (INR) रखने की कम आवश्यकता; वैश्विक नरियात में भारत की कम हिस्सेदारी
- बाह्य आघातों के प्रति रुपया और अधिक संवेदनशील हो सकता है
- रुपए की आपूर्ति पर भारत का कम नियंत्रण

उठाए जा सकने योग्य कदम

- INR में अधिक उदारीकृत निपटान (भारत और वदिशों में)
- भारत को वैश्विक वित्तीय बाजार में अपनी पहुँच का विस्तार करना चाहिये
- व्यापार घाटे को कम करने के लघि नरियात-उन्मुख अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होना



Drishti IAS

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. रुपए की परिवर्तनीयता से क्या तात्पर्य है? (2015)

- (a) रुपए के नोटों के बदले सोना प्राप्त करना
- (b) रुपए के मूल्य को बाज़ार की शक्तियों द्वारा निर्धारित होने देना
- (c) रुपए को अन्य मुद्राओं में और अन्य मुद्राओं को रुपए में परिवर्तित करने की स्वतंत्र रूप से अनुज्ञा प्रदान करना
- (d) भारत में मुद्राओं के लिये अंतरराष्ट्रीय बाज़ार वकिसति करना

उत्तर: (c)

प्रश्न. भुगतान संतुलन के संदर्भ में नमिनलखिति में से किससे/कनसे चालू खाता बनता है? (2014)

- 1. व्यापार संतुलन
- 2. वदेशी परसिपत्तयिँ
- 3. अदृश्योँ का संतुलन
- 4. वशिष आहरण अधकिार

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/rbi-liberalizes-fema-rules-for-cross-border-transactions>

